नईदुनिया

बजट कार से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां लान्च होंगी जुलाई में

नई दिल्ली

चालू महीना भारतीय कार बाजार के लिए काफी हलचल भरा होने वाला है, जहाँ बजट कार से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियाँ लान्च होंगी। आटोमोबाइल सेक्टर में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहकों को आकर्षक विकल्प मिल रहे हैं, जो डिजाइन, टेक्नोलाजी और सस्टेनेबिलिटी का बेहतरीन काम्बिनेशन पेश करेंगे। इस सूची में सबसे पहले रेनाल्ट क्विड फेसलिफ्ट है, जो जल्द आ रही है। इसे डेसिया स्प्रिंग से प्रेरित शार्पर फ्रंट एंड, वाय-शेप एलईडी डीआरएलएस और नए टेललाइट्स के साथ एक माडर्न एसयूवी-जैसा लुक मिलेगा। इसमें बड़ा 10-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 6 एयरबैग स्टैंडर्ड मिलेंगे।

यह मौजूदा 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आएगी और इसकी संभावित कीमत रुपए 4.30 लाख से रुपए 5.88 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच रहेगी। इसके बाद, 9 जुलाई को निसान टेकटान एंट्री करेगी।

इसमें निसान पेट्रोल से प्रेरित बोल्ड और मस्कुलर डिजाइन होगा, जिसमें सी-शेप्ड एलईडी लाइट्स और वी-मोशन ग्रिल मुख्य आकर्षण होंगे। इसके इंटीरियर में थ्री-टोन थीम, बड़ा टचस्क्रीन और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। पावरट्रेन में 1.0 लीटर/1.3 लीटर टर्बो-पेट्रोल और संभवत: हाइब्रिड सिस्टम शामिल होंगे, जिसकी संभावित कीमत रुपए 11 लाख से रुपए 18-19 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच रहेगी।

लगभग 16 जुलाई को जेएसडब्ल्यू एमजी पीएचईवी एसयूवी आने वाली है। यह वुलिंग स्टारलाइट 560 पर आधारित एक बोल्ड और अपराइट डिजाइन वाली 7-सीटर एसयूवी होगी। इसके इंटीरियर में दो बड़े स्क्रीन्स और प्रीमियम मैटेरियल्स के साथ स्पेशियस केबिन मिलेगा।

इसका पीएचईवी सेटअप 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के साथ 197 बीएचपी पावर, 100 प्लस किमी ईवी रेंज और कुल 1000+ किमी रेंज देगा। इसकी संभावित कीमत रुपए 20 लाख से शुरू हो सकती है।

मारुति सुजुकी ब्रेज़ा फेसलिफ्ट 23 जुलाई को लान्च होगी। इसमें रिफ्रेश्ड फ्रंट ग्रिल, नए हेडलैंप्स और अपडेटेड बंपर्स के साथ नया लुक आएगा। इंटीरियर में बड़ा 10.1-इंच टचस्क्रीन, रीडिजाइन्ड डैशबोर्ड और वेंटिलेटेड सीट्स मिलेंगी। फीचर्स में 360-डिग्री कैमरा और एडीएएस (संभवत:) शामिल होंगे। पावरट्रेन में नया 1.0 लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन और मौजूदा 1.5 लीटर इंजन व सीएनजी आप्शन भी रहेगा। इसकी संभावित कीमत रुपए 8.5 लाख से रुपए 14-15 लाख (एक्स-शोरूम) के आसपास रहेगी।

अंत में, टोयोटा हाइलक्स का नया जेन माडल भी इस महीने प्रवेश के लिए तैयार है। इसमें शार्पर, एंगुलर और बोल्ड डिजाइन लैंग्वेज होगी, जिसमें स्लिम एलईडी हेडलैंप्स और 17-इंच व्हील्स शामिल हैं। इसका इंटीरियर डुअल 12.3-इंच डिस्प्ले, अडास, 360-कैमरा और वेंटिलेटेड सीट्स के साथ काफी माडर्न होगा। पावरट्रेन में 2.8 लीटर डीजल इंजन (204 पीएस) 6-स्पीड एमटी/एटी और 4डब्ल्यूडी के साथ जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में जापानी जीसीसी का बढ़ता प्रभाव, अर्थव्यवस्था में दिखेगा बड़ा असर: रिपोर्ट

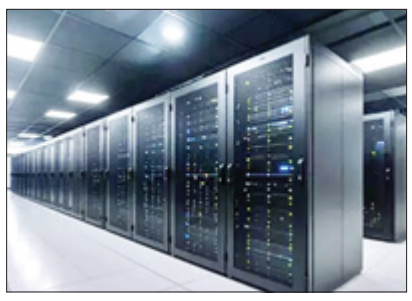

नई दिल्ली। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के विकास में जापानी उद्यम सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में उभरे हैं। डेलायट इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये केंद्र वित्त वर्ष 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में 470 डालर से 600 अरब डालर का भारी-भरकम आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं, साथ ही लाखों उच्च-कौशल वाली नौकरियां भी सृजित करेंगे। इंडियाज स्ट्रेटेजिक जीसीसी प्ले फार जापानी एंटरप्राइजेज रिपोर्ट बताती है कि भारत में पहले से ही 100 से अधिक जापानी जीसीसी स्थापित हैं। डिजिटल और इंजीनियरिंग की बढ़ती मांगों के कारण, ये केंद्र जीडीपी में 2.8 फीसदी तक का योगदान देंगे, जिससे भारत वैश्विक क्षमता नेटवर्क का केंद्र बनेगा। ये जीसीसी अब बैक-आफिस कार्यों से हटकर एआई, क्लाउड और डिजिटल विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में इंजीनियरिंग, डिजिटल परिवर्तन और उत्पाद नवाचार के रणनीतिक केंद्र बन रहे हैं। डेलायट इंडिया के साझेदार रोहन लोबो ने कहा कि भारत और जापान नवाचार पर आधारित आर्थिक सहयोग के नए चरण में हैं। उन्होंने बताया कि भारत, अपने विशाल इंजीनियरिंग प्रतिभा और डिजिटल विशेषज्ञता के साथ, जापान के लिए एक प्रमुख रणनीतिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रिपोर्ट जीसीसी की भूमिका में मौलिक बदलाव पर प्रकाश डालती है, जो बैक-आफिस सहायक कार्यों से बहु-विषयों वाले उत्कृष्टता केंद्रों तक विकसित हो रहा है। यह एंड-अु-एंड उत्पाद विकास, नवाचार और उद्यम लचीलापन को बढ़ावा दे रहा है। भारत के विशाल स्टेम प्रतिभा पूल तक पहुंच के जरिये डिजिटल बदलाव को तेज करने और साथ ही आबादी से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने की जापान की जरूरत इस बदलाव को और मजबूत कर रही है।

जापान में 50,000 नौकरियों का रास्ता: हरियाणा के युवाओं के लिए फुकुओका का प्लान

गुरुग्राम। जापान अपनी बढ़ती औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अगले 5 वर्षों में हरियाणा के करीब 50,000 युवाओं को रोजगार और इंटर्नशिप के मौके प्रदान करेगा। यह पहल जापान के फुकुओका प्रांत और हरियाणा सरकार के बीच हुए ऐतिहासिक सहयोग का परिणाम है। इस कदम से प्रदेश के युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कौशल विकास और करियर के नए द्वार खुलने वाले है। दरअसल, फुकुओका प्रांत में सेमीकंडक्टर, आटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे अहम क्षेत्रों की लगभग 80 प्रतिशत कंपनियों को तकनीकी रूप से कुशल कर्मचारियों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। जापान की बढ़ती बुजुर्ग आबादी और कम होती कार्यशील जनसंख्या संकट का मुख्य कारण है, जिसके चलते फुकुओका प्रांत की सरकार ने हरियाणा से सहयोग का आग्रह किया है। प्रवक्ता ने बताया कि फुकुओका की औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरियाणा के कुशल युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदाणी मामले को दोषपूर्ण बताया, स्थायी रूप से आरोप हटाने का आग्रह

न्यूयार्क । अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी और अन्य सात आरोपियों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामले को स्थायी रूप से समाप्त करने का अनुरोध किया है। विभाग ने अपने विस्तृत हलफनामे में कहा है कि यह मामला एक वर्ष पहले ही समाप्त कर दिया जाना चाहिए था या फिर इसे कभी दर्ज ही नहीं किया जाना चाहिए था। न्याय विभाग के अनुसार इस मामले के अधिकांश कथित घटनाक्रम भारत में हुए, भारतीय कंपनियों और भारतीय अधिकारियों से जुड़े थे तथा इसकी जांच भारतीय एजेंसियों ने भी की थी। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में भारत की न्याय व्यवस्था अधिक उपयुक्त है और अमेरिका को दुनिया का पुलिसकर्मी बनने की आवश्यकता नहीं है।

गिरावट के बावजूद साप्ताहिक आधार पर 2,780 रुपये तक महंगा हुआ सोना

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 260 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चेन्नई में सोने के भाव में 100 रुपये प्रति 10 ग्राम लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। चांदी के भाव में भी 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी के भाव में सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। सोने के भाव में कमजोरी आने के बावजूद साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 2,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह 22 कैरेट सोने के भाव में साप्ताहिक आधार पर 2,550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई। चांदी भी उतार चढ़ाव के बावजूद पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। इस उछाल के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,49,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,37,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,46,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,34,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

44,467 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पहले स्थान पर टीवीएस

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पिछले महीने टाप-5 ब्रांड्स ने बाजार का लगभग 82.6प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। इसमें ईवी टू-व्हीलर सेगमेंट में टीवीएस का दबदबा लगातार बना हुआ है। टीवीएस मोटर कंपनी ने 44,467 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पहला स्थान बनाए रखा, जबकि बजाज आटो, एथर एनर्जी, हीरो विडा और ओला इलेक्ट्रिक ने भी दमदार प्रदर्शन किया। टीवीएस मोटर कंपनी ने जून माह में 44,467 यूनिट रजिस्ट्रेशन कर ईवी टू-व्हीलर बाजार में पहला स्थान हासिल किया है, जो 24.5प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ प्रतिस्पर्धा से अच्छी लीड है। टीवीएस की सफलता का मुख्य कारण उसके आईक्यूब सीरीज का मजबूत प्रदर्शन, बेहतर बैटरी टेक्नोलाजी, लंबी रेंज और विश्वसनीय सर्विस नेटवर्क है। ग्राहक टीवीएस को प्रीमियम फील, स्मूथ परफार्मेंस और कम मेंटेनेंस के लिए पसंद कर रहे हैं। बजाज आटो ने 40,576 रजिस्ट्रेशन्स के साथ दूसरे स्थान पर कब्जा जमाया है, जो 22.4प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करती है। चेतक सीरीज बजाज की सफलता का बड़ा कारण रही है, जिसकी रणनीति किफायती दाम, मजबूत बिल्ड क्वालिटी और अच्छी आफ्टर-सेल्स सर्विस पर आधारित है। एथर एनर्जी ने 29,422 यूनिट्स के रजिस्ट्रेशन कर तीसरा स्थान हासिल किया, जो 16.2प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ प्रीमियम ईवी सेगमेंट में मजबूत पकड़ रखती है। एथर 450एक्स और रिज्टा माडल्स अपने एडवांस्ड फीचर्स, टचस्क्रीन डिस्प्ले और स्मार्ट कनेक्टिविटी के लिए जाने जाते हैं, जो युवा और शहरी ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। हीरो मोटोकार्प के सब-ब्रांड विडा ने 20,198 रजिस्ट्रेशन्स के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया। 11.2 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ विडा ने किफायती ईवी सेगमेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। विडा वी1 और वी2 माडल्स की लोकप्रियता उनके दमदार रेंज, आकर्षक डिजाइन और हीरो के विशाल सर्विस नेटवर्क पर आधारित है। ओला इलेक्ट्रिक ने 15,096 रजिस्ट्रेशन्स के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई, जो 8.3 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ ईवी बाजार में सक्रिय है। ओला की एस1 सीरीज आकर्षक डिजाइन और प्रतिस्पर्धी प्राइसिंग के लिए जानी जाती है, हालांकि कंपनी बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन और नई माडल्स लान्च करने पर फोकस कर रही है।

आसुस ने लान्च किया इंटेल कोर 5 सीरीज 3 प्रोसेसर वाला पहला लैपटाप

नई दिल्ली। भारत में आसुस ने अपने नए वीवोबुक 15 (2026) लैपटाप को पेश किया है। कंपनी इंटेल कोर 5 सीरीज 3 प्रोसेसर के साथ देश का पहला लैपटाप होने का दावा करती है। कंपनी ने इसे अमेजन प्राइम डे और फ्लिपकार्ट जीओएटी सेल के दौरान विशेष रूप से बिक्री के लिए उपलब्ध कराया है। आसुस वीवोबुक 15 (2026) की शुरुआती कीमत 1,07,990 रुपये है, जो इसकी एमआरपी 1,59,990 रुपये पर 33प्रतिशत की छूट के बाद उपलब्ध है। ग्राहक नौ महीने तक की नो-कास्ट ईएमआई, बैंक आफर और एक्सचेंज बोनस का लाभ उठा सकते हैं। यह लैपटाप कूल सिल्वर, क्वाइट ब्लू और टेरा कोट्टा जैसे आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा। इस लैपटाप में 15.6 इंच का फुल-एचडी एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले है और यह 16जीबी डीडीआर 5 रैम तथा 512जीबी पीसीआईई 4.0 एसएसडी स्टोरेज के साथ आता है। इसका मुख्य आकर्षण इंटेल कोर 5 सीरीज 3 चिपसेट है, जिसमें इंटीग्रेटेड इंटेल एआई बूस्ट एनपीयू शामिल है, जो एआई संबंधित कार्यों के लिए 16 टाप्स तक की क्षमता प्रदान करता है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में रूल्स आफ ओरिजिन लागू

नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते (सीईटीए) को अमली जामा पहनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। वित्त मंत्रालय ने इस समझौते के तहत आयात-निर्यात सामानों की पहचान के लिए रूल्स आफ ओरिजिन (उत्पत्ति के नियम) अधिसूचित किए हैं, जो 15 जुलाई 2026 से प्रभावी होंगे। इसके बाद कोई तीसरा देश भारत-ब्रिटेन व्यापार रियायतों का गलत फायदा नहीं उठा सकेगा।

रूल्स आफ ओरिजिन वह कानूनी पैमाना है जो तय करता है कि कोई उत्पाद वास्तव में किस देश में बना है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की अधिसूचना के अनुसार, समझौते के तहत टैक्स छूट का लाभ पाने के लिए सर्टिफिकेट आफ ओरिजिन अनिवार्य होगा। इसे दोनों देशों की अधिकृत एजेंसियां ही जारी कर सकेंगी। यह ढांचा सुनिश्चित करेगा कि तीसरे देशों के उत्पाद गलत तरीके से रियायती शुल्कों का लाभ न उठाएं और द्विपक्षीय व्यापार की ईमानदारी बनी रहे।

इस नए नियम से किन उद्योगों को सबसे अधिक फायदा होने की उम्मीद है

यह ऐतिहासिक समझौता (सीईटीए) ब्रिटेन को होने वाले भारत के 99 प्रतिशत निर्यात पर पूरी तरह से शुल्क-मुक्त (ड्यूटी-फ्री) पहुंच सुनिश्चित करता है। टैक्स की इस बचत से भारत के श्रम-गहन क्षेत्रों को भारी बढ़ावा मिलेगा। इनमें प्रमुख रूप से कपड़ा (टेक्सटाइल), समुद्री उत्पाद, चमड़ा, जूते-चप्पल, खेल के सामान, खिलौने और रत्न एवं आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा आटो पार्ट्स, इंजीनियरिंग सामान और आर्गेनिक केमिकल्स जैसे तेजी से बढ़ रहे क्षेत्रों के लिए भी नए अवसर खुलेंगे। भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय व्यापार के ताजा आंकड़े और व्यापार संतुलन क्या कहते हैं दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार लगातार बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह व्यापार 23.13 बिलियन डालर था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 8.62 प्रतिशत बढ़कर 25.12 बिलियन डालर तक पहुंच गया। द्विपक्षीय व्यापार में भारत की स्थिति मजबूत है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने ब्रिटेन को 13.44 बिलियन डालर का निर्यात किया, जबकि वहां से 11.68 बिलियन डालर का आयात हुआ। इस प्रकार भारत का ट्रेड सरप्लस (व्यापार अधिशेष) 1.76 बिलियन डालर रहा, जो नई व्यापार व्यवस्था में और बढ़ सकता है।

दुरुपयोग रोकने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसमें क्या कड़े प्रावधान हैं - विशेषज्ञों के अनुसार, नियमों की यह रूपरेखा समझौते को पारदर्शी और प्रभावी बनाएगी। हालांकि, यह भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी जिम्मेदारी भी लाती है। टैक्स रियायतों का लाभ उठाने के लिए उत्पादों को कड़े मूल मानकों पर खरा उतरना होगा। विशेषज्ञों की सलाह है कि भारतीय कारोबारियों को अपनी पूरी सप्लाई चेन, मूल्यवर्धन और कच्चे माल की खरीद से जुड़े दस्तावेजों की बारीकी से समीक्षा करनी होगी, क्योंकि इन नियमों का कड़ाई से अनुपालन ही शुल्क लाभों की कुंजी है। 15 जुलाई से लागू हो रहे ये नियम द्विपक्षीय व्यापार में पारदर्शिता के नए युग की शुरुआत हैं। अब भारतीय कंपनियों के लिए असली परीक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने की होगी। जो कंपनियां अपनी सप्लाई चेन की लिखा-पढ़ी और मूल्यवर्धन मानकों को दुरुस्त रखेंगी, उनके लिए ब्रिटेन के रूप में एक समृद्ध बाजार बिना किसी रुकावट के खुला रहेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमत का रहस्य, सरकार और बाजार विश्लेषकों के दावे क्यों अलग

विशेषज्ञ बोले : 10 रुपये प्रति लीटर का मुनाफा कमा रही कंपनियां

सरकार और अधिकारी बोले: डीजल पर 24, पेट्रोल पर 3 रुपये का नुकसान बरकरार

नई दिल्ली

भारत में पेट्रोल और डीजल की बिक्री से होने वाले लाभ या हानि को लेकर सरकार और बाजार विशेषज्ञों की राय अलग-अलग है। जहां एक ओर ब्रोकरेज फर्म डीएएम कैपिटल का अनुमान है कि तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) प्रति लीटर 10 रुपए का मुनाफा कमा रही हैं, वहीं सरकार का कहना है कि उन्हें डीजल पर 24 रुपए और पेट्रोल पर 3 रुपए प्रति लीटर का राजस्व नुकसान हो रहा है। यह बड़ा अंतर ईंधन की लागत और खुदरा कीमतों की गणना के तरीकों को लेकर उपजा है।

डीएएम कैपिटल की एक रिपोर्ट बताती है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगभग 73 डालर प्रति बैरल है, तब भारत की सरकारी ओएमसी पेट्रोल और डीजल की प्रत्येक लीटर बिक्री पर लगभग 10 रुपये का लाभ कमा रही हैं। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी इस बात का समर्थन करते हुए कहा कि 72 डालर प्रति बैरल पर मार्केटिंग मार्जिन सकारात्मक होना चाहिए। इसके विपरीत सरकार और तेल रिफाइनिंग क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी इस दावे को खारिज करते हैं। उनका कहना है कि कंपनियों को अब भी डीजल पर प्रति लीटर 24 रुपये और पेट्रोल पर 3 रुपये प्रति लीटर का राजस्व नुकसान हो रहा है।

नुकसान अप्रैल के मुकाबले काफी कम: हालांकि, यह नुकसान अप्रैल के मुकाबले काफी कम है, जब डीजल पर 100 रुपये और पेट्रोल पर 20 रुपये प्रति लीटर का घाटा हो रहा था। इस कमी की एक वजह अमेरिकी-ईरान युद्धविराम और सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल के दाम में 8 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि भी मानी जा रही है। इन कदमों से पेट्रोल पंपों पर मिलने वाले दाम उस स्तर पर आ गए हैं जो 100 डालर प्रति बैरल कच्चे तेल के हिसाब से होने चाहिए। हालांकि, विवाद का मुख्य कारण गणना के तरीकों में अंतर है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट किया है कि आज जो ईंधन बिक रहा है, वह करीब दो महीने पहले, उस वक्त की ऊंची कीमतों पर खरीदे गए कच्चे तेल से बनाया गया है। वहीं तेल रिफाइनिंग क्षेत्र के अधिकारियों का तर्क है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें सीधे कच्चे तेल की कीमत से नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तैयार पेट्रोल और डीजल (जैसे दुबई और सिंगापुर बेंचमार्क) की कीमतों, समुद्री परिवहन लागत और रुपये-डालर विनिमय दर पर आधारित होती हैं। खुदरा बिक्री पर नुकसान का हिसाब अभी भी बाकी: एक सरकारी रिफाइनरी कंपनी के वित्त अधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों के खुदरा बिक्री पर हुए नुकसान का हिसाब अभी भी बाकी है। तेल मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने भी कहा है कि खुदरा कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों को ध्यान में रखकर तय होंगी। जब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार ईंधन की कीमतें कम नहीं होंगी, तब तक ओएमसी को राजस्व नुकसान होता रहेगा।